सफलता की कहानी...

कोटा नागरिक सहकारी बैंक विकास के नए आयाम

सहकारी संस्था सदस्यों की, सदस्यों द्वारा, सदस्यों के हित में संचालित संस्था होती है।

अल्प आय वर्ग की छोटी-छोटी बचत को संग्रहित कर सदस्यों की तात्कालिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु कर्ज उपलब्ध कराने में अरबन कोऑपरेटिव बैंकों की विशिष्ठ पहचान है। कोटा में 9 सितंबर, 1962 को 32 व्यक्तियों ने श्री मगन लाल जैन की अध्यक्षता में एक बैठक कर सहकारी बैंक बनाने का निर्णय लिया। जिसका नाम ''नागरिक सहकारी बैंक लि. कोटा नगर'' रखा गया। सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां कोटा द्वारा 1 दिसंबर 1962 को नागरिक सहकारी बैंक लि. कोटा का 1718/आर क्रमांक पर पंजीयन किया।

पंजीयन के समय बैंक की हिस्सा राशि मात्र 1295 रु. थी। बैंक के अध्यक्ष श्री मगन लाल जैन व मंत्री श्री टीकम चंद सेठी ने बैंक के पंजीयन के बाद पुरानी धान मण्डी में बक्शपुरी के कुण्ड के पास बैंक के कार्य का शुभारंभ किया। बैंक के लिए उचित स्थान नहीं होने कारण सदस्यों ने साहस दिखाकर बैंक के लिए 1993 में आर्य समाज रोड स्थित किराए के भवन में विधिवत् श्री टीकमचंद सेठी सचिव को ही प्रबंधक नियुक्त कर दिनांक 03 जनवरी 1963 को बैंक का कार्य प्रारंभ किया। सदस्यों के प्रयत्नों माह जून 1963 में से बैंक की सदस्यता में 3 गुना तथा हिस्सा राशि में 5 गुना वृद्धि होकर सदस्यता 101 व हिस्सा राशि 11 हजार रु. हो गई।

भारतीय रिजर्व बैंक ने 18 मार्च, 1980 को बैंक को बैंकिंग व्यवसाय करने हेतु लाईसेन्स जारी किया। बैंक की अप्रत्याशित विकास की गति को देखते हुए राज्य सरकार ने भी बैंक में 1 लाख रु. की हिस्सा राशि विनियोजित की। बैंक को रिजर्व बैंक का लाईसेन्स मिलने के साथ ही बैंक नए कोटा के शहरवासियों को भवन निर्माण हेतु ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु 1977 में भीमगंजमंडी, 1980में गुमानपुरा, 1981 में विज्ञान नगर तथा 1985 में दादाबाड़ी में अपनी नई शाखाएं प्रारंभ की। 1985 में ही सहकारी विभाग ने कोटा अरबन कोऑपरेटिव बैंक का नाम ''कोटा नागरिक सहकारी बैंक लि. कोटा'' कर दिया। कोटा नगर विकास न्यास कोटा ने बैंक को रावतभाटा रोड़ पर दो भूखण्ड क्रमशः 12500 स्क्वायर फुट व 14500 स्क्वायर फुट के आवंटित किए जिससे बैंक को स्वयं के भवन में कार्य करने का अवसर मिला। बैंक ने एक भूखण्ड पर अपना विशाल भवन निर्मित किया, जिसका उद्घाटन राजस्थान के तत्कालीन राज्यपाल माननीय श्री बलीराम भगत जुलाई, 1995 में किया।

बैंक की सर्वोत्तम प्रबंध व्यवस्था से बैंक से कोटा शहर के विभिन्न स्थानों पर 5 नई शाखाएं क्रमशः अनंतपुरा, महावीर नगर, सकतपुरा, आरके पुरम व बोरखेड़ा में प्रारंभ कर सम्पूर्ण शहर के नागरिकों को बैंक की सुविधाओं से जोड़ा गया। वर्तमान में यह बैंक अपनी 10 शाखाओं से लगभग 60 हजार से अधिक सदस्यों को उनकी जमा बचतों में सर्वाधिक ब्याज, भवन निर्माण, मरम्मत, व्यवसायिक साख, लॉकर्स सहित अनेक सुविधाएं उपलब्ध करवा रहा है। नियमित रुप से बैंक की आमसभा करवाकर सदस्यों के प्रस्तावों पर अमल करना, विभागीय आदेशों तथा रिजर्व बैंक के उपनियमों का शत-प्रतिशत पालना करना बैंक का प्रमुख ध्येय रहा है।

निर्वाचित संचालक मण्डल व प्रशासकों के मार्गदर्शन, कुशल प्रबंधकीय व्यवस्था, प्रशिक्षित योग्य दक्ष स्टॉफ के अथक प्रयत्नों का परिणाम है कि आज बैंक की हिस्सा राशि 1364.66 लाख रु., अमानतें 68741.02 लाख रु., ऋण वितरण 14341.58 लाख रु हो गई है। बैंक 5 करोड़ 61 लाख 87 हजार रु. में लाभ में संचालित है। वर्तमान में **अध्यक्ष श्री राजेन्द्र कृष्ण बिरला, प्रबन्ध निदेशक श्री श्यामलाल मीणा** हैं।

व्यवसाय की उक्त बढ़ती हुई ऊँचाईयों के कारण बैंक रिजर्व बैंक के निरीक्षणों तथा विभागीय ऑडिटों में 'ए' क्लास वर्गीकरण रहा है। बैंक व्यवसाय वृद्धि पर ही स्थापित नहीं रह कर अपने सदस्यों को 10 प्रतिशत से लेकर 20 प्रतिशत तक की दर से लाभांश का वितरण कर रहा है तथा अपने 99 अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रत्येक 5 साल में वेतन समझौते के अनुसार वेतन, बोनस एवं सेवानिवृति के परिलाभों का भुगतान कर उन्हें अपने स्वस्थ एवं उत्तम जीवनयापन हेतु सहयोग प्रदान कर रहा है। बैंक द्वारा वर्तमान में नागरिकों को आर.टी.जी.एस. सहित समाशोधन गृह का सदस्य रह कर तत्काल चैकों के भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। बैंक वरिष्ठ नागरिकों को भी उनकी जमाओं पर आधा प्रतिशत अधिक ब्याज भी उपलब्ध करा रहा है। निकट भविष्य में बैंक अपने नजदीकी जिलों में शाखाएं खोलनें तथा जिले में ए.टी.एम. सुविधाएं आम नागरिकों को उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है।

उल्लेखनीय है कि गत 34 वर्षों से बैंक में सहकारिता विभाग के अधिकारी बैंक के मुख्य कार्यकारी के पद पर कार्यरत रहे हैं जिनके विवेकपूर्ण निर्णय तथा दूरदर्शिता से बैंक समर्पण भाव से अपने दायित्व का बखूबी से निर्वहन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कोटा नागरिक सहकारी बैंक- एक नजर में

1. कोटा नागरिक सहकारी बैंक पंजीयन दिनांक 1 दिसबंर, 1962
2. स्थापना के समय 32 सदस्य, वर्तमान में 60185 सदस्य
3. हिस्सा राशि -1364.66 लाख रु., कार्यशील पूंजी 84194.42 लाख रु. (31 मार्च 2016)
4. संस्था द्वारा किए जा रहे मुख्य कार्य- ऋण वितरण, जमाओं का संग्रहण व अन्य बैंकिंग सेवाएं
5. संस्था की लाभदायकता 5 करोड़ 61 लाख 87 हजार रु.
6. नेट वर्थ- 4170 लाख 31 हजार रु.